करें तो मुझे पूरा विश्वास है कि खाद्यान्न के मामले में यह देश आत्मनिर्भर हो सकेगा और हमें विदेशों से अन्न मंगाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी ।

अभी एक भाई ने कहा कि नये फुड मिनिस्टर को उन्होंने देखा तो उन को पाकिस्तान याद आ गया। अरे भाई ये मिनिस्टर पक्के खिलाड़ी हैं, पाकिस्तान वालों से भी बात करते हैं और इस देश की फुड प्राबलेम को भी हल करते हैं। वे मुल्क के एक जिम्मेदार लीडर हैं। वे कोई कमजोर व्यक्ति नहीं हैं। उनकी तलवार भी मजबूत है और क़लम भी मज़बूत है और ईंट का जवाब ईंट से देने की भी वे क्षमता रखते हैं। मान्यवर, मैंने किसी कच्चे खिलाड़ी को उस पद पर नहीं भेजा है। एक पक्के और मंजे व्यक्ति को फुड मिनिस्टर रखा है। क्या इस नये फुड मिनिस्टर का नमूना आपने नहीं देखा कि पाकिस्तान वाले खुद चक्कर में आ गये। भुट्टो साहब से बातचीत करके पाकिस्तान की प्राबलम हल कर रहे हैं और इस देश की फुड प्राबलम हल करना उन के लिए कोई मुश्किल बात नहीं है।

एक माननीय सदस्य : कम्युनिस्टों को भी ठीक कर देंगे।

श्री शिव नारायण : जी हां, यह गवर्नमेंट की ही मेहरबानी है कि यह लोग यहां इस तरह से हमारी छीज काटा करते हैं और लोगों को बहकाते फिरते हैं लेकिन अगर वे अपनी हरकतों से बाज़ न आये तो यह उन को भी ठीक कर देंगे। (**इंटरप्शंस**)

मैं स्वयं किसान हूं, खेती करता हूं और उनका मैं शुभचिंतक हूं। यह बहुत ज़रूरी है कि किसानों की कड़ी मेहनत का उन्हें उचित मूल्य मिले जो कि आज उन्हें नहीं मिल रहा है और जिसके कि कारण उन की आर्थिक अवस्था बड़ी दयनीय हो रही है। मैं तो कहूंगा कि उन को उनकी उपज की लागत का १० परसेंट मुनाफ़ा दिया जाय। आज इमरजेंसी चल रही है और यह बहुत आवश्यक है कि देश में गल्ले की कमी न पड़ने पावे। दस परसेंट का मुनाफ़ा तो उन्हें दिलवाया ही जाना चाहिए।

"देह बेंच दारा सुवनमंद भयो यह दास"
किसानों को संतुष्ट किया जाय और वे इस आड़े समय में आप देखेंगे कि किस तरह देश की रक्षा में जूझते हैं ? किसान का पेट भर जाय तो आप देखियेगा कि वह देश की ख़ातिर किस तरह से अपनी जान की बाजी लगाता है।

सरकार एसे देश व समाज विरोधी तत्वों के विरुद्ध जोकि देश हित के विरुद्ध काम करते हैं, सख्त कार्यवाही करें। एसे द्रोही तत्वों के प्रति कोई रिआयत सरकार को नहीं दिखानी चाहिए। एसा होने से जितनी भी गड़बड़ियां चल रही हैं वे सब बंद हो जायेंगी।

गवर्नमेंट की पालिसी जोकि फुड और प्राइस कन्ट्रोल के संबंध में है बिल्कुल सही है और सरकार ठीक तरीक़े से चल रही है। मैं आप का बड़ा अनुगहीत हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया।

17.03¾ hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

NINETEENTH REPORT

Shri Rane (Buldana)): Sir, I beg to present the Nineteenth Report of the Business Advisory Committee.

17.04 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Friday, the September 6th, 1963/Bhadra 15, 1885 (Saka).